

語り漕がな

五	七	八	四	八	四	五、七中	工	合	上	老
---	---	---	---	---	---	------	---	---	---	---

四	合	五	七	八	四	八	七	八	七、八五、七中、五
---	---	---	---	---	---	---	---	---	-----------

七	四	八	四	八	四	五、七中	工	中	上、七四
---	---	---	---	---	---	------	---	---	------

合	上	老	四、老中、尺五	七	八	七	八	四	八
---	---	---	---------	---	---	---	---	---	---

四	七	九	八	四	七	八	九	八	七	九	八
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	八	七	五	七	八	四	八	七	五	中	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	七	四	老	四	合	五	七	八	四	八	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

五、七中	工	合	上	老	四	合					
------	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--

語り漕がな

一二揚

2/2

一、今日ぬゆかる日に
昔どうし行逢てい
嬉しさや互に
語てい遊ば

二、此の世人間や
皆うとうじゃとう思り
沖繩うまじりや
ちゆ家庭でむぬ

三、うち世灘安く
渡い欲しやあらば
誠ゆい他に
道や踏むな

四、楽楽とうちゆ
渡りぶしやあらあば
悪欲の企らう
無らん如に

五、三線ぬ女弦 童妻心
どうく詰みていからや 切りて退ち
ゆさ
へさんしんぬみーじる わらびとう
じぐる。、どうくちみてからや、
ちりてぬちゆさ)

六、礼儀(れいじ)忘(わし)りりば
闇ぬ夜ぬ小路
我胸損(わんどうすく)なゆる
歩み苦りしや